सीवरेज व ट्रीटमेंट प्लांट के लिए मांगे 881 करोड़

नगर पालिका प्रशासन ने शासन को भेजा प्रस्ताव, सीवर लाइन से पानी के शुद्धीकरण का लगना है प्लांट

जागरण संवाददाता, फतेहपुर : शहर की बहुप्रतीक्षित सीवर लाइन प्रोजेक्ट व सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जाने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने शासन को 881.89 करोड़ का प्रपोजल भेजा है। केंद्र सरकार की अमृत योजना से धनराशि पाने के लिए चालू सप्ताह में हुई बैठक में प्रस्ताव भेजा गया है। पालिका का यह प्रपोजल पास हो जाता है कि सीवरेज और ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जाने का रास्ता प्रशस्त हो जाएगा।

नब्बे के दशक से कागजों में दौड़ रही सीवर लाइन योजना फिलवक्त कागजों में ही तैर रही है। चुनावों में यह मुद्दा भी बना करती है। पालिका प्रशासन ने जो प्रस्ताव भेजा है उसमें सीवरेज के लिए 4.26 करोड़, इस्टलाइजेशन के लिए 332.50 करोड़, पंपिंग सेट के लिए 50, बेस्ट मैनेजमेंट 13 करोड़, एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) के लिए 54 करोड़ रुपये की मांग की गई है। अधिशासी अधिकारी रश्मि भारती ने बताया कि अमृत योजना के तहत ऐसे प्रपोजल बनाकर भेजा जाता है। इसके बाद उसकी जांच होती है। भेजे गए प्रस्ताव में यह भी दर्शा दिया गया कि एसटीपी के लिए 6.50 एकड़ जमीन की जरूरत है। जिसमें पालिका के पास 1.50 एकड़ जमीन है शेष जमीन को जिला प्रशासन मुहैया कराएगा। जिसमें एसटीपी प्लांट लगवाए जाएंगे।

जल निगम तैयार करवा रहा डीपीआर : नगर पालिका क्षेत्र में सीवर लाइन योजना को धरातल पर मूर्त रूप देने के लिए जल निगम इन दिनों फिर से डीपीआर के लिए हर मोहल्ले गली का नजरी-नक्शा तैयार कर रहा है। इसके लिए पालिका क्षेत्र में उसकी टीमें फिर से आंकलन करने में जुटी हुई है। नक्शा बना रही टीम के सदस्यों ने बताया कि मुख्य सड़क से गलियों का क्या जुड़ाव है, जुड़ाव में कितनी दूरी है कि कितने मोड़ है, गली कि चौड़ाई कितनी है, कौन सी गली कहां से निकलती और जुड़ती है इसका नक्शा तैयार किया जा रहा है। सुबह से शाम तक ऐसी काम करती हुई मिल जाएंगी।

सीवर लाइन बनने पर मतभेद : सीवर लाइन जैसी महत्वपूर्ण योजना को लेकर जल निगम और नगर पालिका परिषद में मतभेद हैं। हाल ही विकास भवन के सभागार में हुई बैठक में योजना को लेकर जब चर्चा हुई तो दोनों विभाग अलग अलग बयानबाजी करते रहे। जल निगम का कुछ अपना कहना रहा तो नगर पालिका ने इसे अमृत योजना में शामिल होना करार दिया था। पालिका लगातार इस योजना को अमृत में जोड़ने और उसका लाभ पाने के लिए प्रयासरत रही है। यह बात भी सौ फीसदी सही है कि धरातल पर सीवर लाइन बिछाने और तैयार करने का काम जल निगम को ही करना है।

परीक्षा केंद्र निर्धारण का काम